



Mahendra's

FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : E015223

SSC MTS/HAWALDAR/CHSL



GK/GS

MAJOR BATTLES OF INDIA



तैयारी जीत की...

LIVE

05:30 PM



- **First Carnatic War**
- **Parties:** English and French forces in India
- **Result:** Inconclusive
- **Location:** Carnatic region, South India
- **Year:** 1746 – 1748

- प्रथम कर्नाटक युद्ध
- पार्टियां: भारत में अंग्रेजी और फ्रांसीसी सेना
- परिणाम: अनिर्णायक
- स्थान: कर्नाटक क्षेत्र, दक्षिण भारत
- वर्ष: 1746 - 1748

- **Second Carnatic War**
- **Parties:** Different claimants to the posts of the Nizam of Hyderabad, and the Nawab of the Carnatic; each claimant being supported either by the British or the French
- **Result:** Muzaffar Jung became Hyderabad's Nizam. Muhammad Ali became the Nawab of the Carnatic
- **Location:** Carnatic (Southern India)
- **Year:** 1749 – 1754
- दूसरा कर्नाटक युद्ध
- पार्टियां: हैदराबाद के निजाम और कर्नाटक के नवाब के पदों के लिए अलग-अलग दावेदार; प्रत्येक दावेदार को या तो ब्रिटिश या फ्रेंच द्वारा समर्थित किया जा रहा है
- नतीजा: मुजफ्फर जंग हैदराबाद के निजाम बने। मुहम्मद अली कर्नाटक के नवाब बने
- स्थान: कर्नाटक (दक्षिणी भारत)
- वर्ष: 1749 - 1754

- **Battle of Plassey**
- **Parties:** British East India Company against Siraj-ud-Daulah (Nawab of Bengal)
- **Result:** British victory, with Mir Jafar crowned as the new Nawab of Bengal
- **Location:** Palashi, on the banks of Bhagirathi river near Calcutta
- **Year:** 23 June 1757
- प्लासी का युद्ध
- पार्टियां: सिराजदौला (बंगाल के नवाब) के खिलाफे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी
- परिणाम: ब्रिटिश विजय, मीर जाफर को बंगाल के नए नवाब के रूप में ताज पहनाया गया
- स्थान: पलाशी, कलकत्ता के पास भागीरथी नदी के तट पर
- वर्ष: 23 जून 1757

- **Third Carnatic War**
- **Parties:** English and French forces in India
- **Result:** British victory
- **Location:** Carnatic, South India
- **Year:** 1757 – 1763

- तीसरा कर्नाटक युद्ध
- पार्टियां: भारत में अंग्रेजी और फ्रांसीसी सेना
- परिणाम: ब्रिटिश विजय
- स्थान: कर्नाटक, दक्षिण भारत
- वर्ष: 1757 - 1763

- **Battle of Wandiwash (Part of the Third Carnatic War)**
- **Parties:** English and French forces in India
- **Result:** British victory
- **Location:** Vandavasi, Tamil Nadu
- **Year:** 22 January 1760

- वांडीवाश की लड़ाई (तीसरे कर्नाटक युद्ध का हिस्सा)
- पार्टियां: भारत में अंग्रेजी और फ्रांसीसी सेना
- परिणाम: ब्रिटिश विजय
- स्थान: वंदवासी, तमिलनाडु
- वर्ष: 22 जनवरी 1760

- **Third Battle of Panipat**
 - **Parties:** Maratha Empire and Durrani Empire (Afghanistan)
 - **Result:** Afghan victory
 - **Location:** Panipat, Haryana
 - **Year:** 14 January 1761
- पानीपत की तीसरी लड़ाई
 - पार्टियां: मराठा साम्राज्य और दुर्रानी साम्राज्य (अफगानिस्तान)
 - परिणाम: अफगान विजय
 - स्थान: पानीपत, हरियाणा
 - वर्ष: 14 जनवरी 1761

- **Battle of Buxar**
- **Parties:** British against Mir Qasim (administering Bengal), Shuja-ud-Daulah (Nawab of Oudh) and Shah Alam II (Mughal emperor)
- **Result:** British victory
- **Location:** Buxar, Bihar
- **Year:** October 1764

- बक्सरी की लड़ाई
- पार्टियां: मीर कासिम (बंगाल का प्रशासन), शजा-उद-दौला (अवध के नवाब) और शाह आलम द्वितीय (मगल सम्राट) के खिलाफ ब्रिटिश
- परिणाम: ब्रिटिश विजय
- स्थान: बक्सर, बिहार
- वर्ष: अक्टूबर 1764

- **First Anglo-Mysore War**
- **Parties: British East India Company against Hyder Ali of Mysore**
- **Result: Mysore victory**
- **Location: South India**
- **Year: 1767–1769**

- **प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध**
- **पार्टियां: मैसूर के हैदर अली के खिलाफ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी**
- **परिणाम: मैसूर विजय**
- **स्थान: दक्षिण भारत**
- **वर्ष: 1767–1769**

- **Second Anglo-Mysore War**
- **Parties:** British East India Company against Hyder Ali of Mysore
- **Result:** Treaty of Mangalore, restoring the status quo ante bellum
- **Location:** South India
- **Year:** 1780–1784

- दूसरा आंग्ल-मैसूर युद्ध
- पार्टियां: मैसूर के हैदर अली के खिलाफ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी
- परिणाम: मैंगलोर की संधि, यथास्थिति को बहाल करना
- स्थान: दक्षिण भारत
- वर्ष: 1780–1784

- **Battle of Pollilur (Part of the Second Anglo-Mysore War)**
- **Parties:** British East India Company against Hyder Ali of Mysore
- **Result:** Both parties claimed victory
- **Location:** Pollilur, Kanchipuram
- **Year:** 1781

- पोलिलुर की लड़ाई (द्वितीय एंग्लो-मैसूर युद्ध का हिस्सा)
- पार्टियां: मैसूर के हैदर अली के खिलाफ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी
- परिणाम: दोनों पक्षों ने जीत का दावा किया
- स्थान: पोलीलुर, कांचीपुरम
- वर्ष: 1781

- **Third Anglo-Mysore War**
- **Parties:** British East India Company against Tipu Sultan of Mysore
- **Result:** British victory, Treaty of Seringapatam
- **Location:** South India
- **Year:** 1790 – 1792

- तीसरा आंग्ल-मैसूर युद्ध
- पार्टियां: मैसूर के टीपू सुल्तान के खिलाफ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी
- परिणाम: ब्रिटिश विजय, सेरिंगपट्टम की संधि
- स्थान: दक्षिण भारत
- वर्ष: 1790 - 1792

- **Fourth Anglo-Mysore War**
- **Parties:** British East India Company against Tipu Sultan of Mysore
- **Result:** British victory, Mysore entered into subsidiary alliance
- **Location:** Chiefly South India
- **Year:** 1799

- चौथा आंग्ल-मैसूर युद्ध
- पार्टियां: मैसूर के टीपू सुल्तान के खिलाफ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी
- परिणाम: ब्रिटिश विजय, मैसूर ने सहायक गठबंधन में प्रवेश किया
- स्थान: मुख्यतः दक्षिण भारत
- वर्ष: 1799

- **First Anglo-Maratha War**
- **Parties:** British against Marathas
- **Result:** Maratha victory
- **Location:** Pune
- **Year:** 1775 – 1782

- प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध
- पार्टियां: मराठों के खिलाफ ब्रिटिश
- परिणाम: मराठा विजय
- स्थान: पुणे
- वर्ष: 1775 - 1782

- **Battle of Porto Novo**
- **Parties:** British East India Company against Hyder Ali of Mysore
- **Result:** British victory
- **Location:** Parangipettai (earlier called Porto Novo), Cuddalore District, Tamil Nadu
- **Year:** 1 July 1781

- पोर्टो नोवो की लड़ाई
- पार्टियां: मैसूर के हैदर अली के खिलाफ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी
- परिणाम: ब्रिटिश विजय
- स्थान: पारांगीपेट्टई (जिसे पहले पोर्टो नोवो कहा जाता था), कुड्डालोर जिला, तमिलनाडु
- वर्ष: 1 जुलाई 1781

- **Second Anglo-Maratha War**

- **Parties:** British against Marathas

- **Result:** British victory

- **Location:** India

- **Year:** 1803 – 1805

- दूसरा आंग्ल-मराठा युद्ध

- पार्टियां: मराठों के खिलाफ ब्रिटिश

- परिणाम: ब्रिटिश विजय

- स्थान: भारत

- वर्ष: 1803 - 1805

- **Third Anglo-Maratha War**
- **Parties: British against Marathas**
- **Result: British victory**
- **Location: Maharashtra and neighbouring areas**
- **Year: 1817 – 1818**

- तीसरा आंग्ल-मराठा युद्ध
- पार्टियां: मराठों के खिलाफ ब्रिटिश
- परिणाम: ब्रिटिश विजय
- स्थान: महाराष्ट्र और पड़ोसी क्षेत्र
- वर्ष: 1817 - 1818

- **Battle of Imphal**
- **Parties:** British against Imperial Japan, Provisional Govt. of Free India (Azad Hind)
- **Result:** British victory
- **Location:** Imphal, Manipur
- **Year:** 1944

- इंपाल की लड़ाई
- पार्टियां: इंपीरियल जापान के खिलाफ ब्रिटिश, अनंतिम सरकार। आजाद भारत (आजाद हिंद)
- परिणाम: ब्रिटिश विजय
- स्थान: इम्फाल, मणिपुर
- वर्ष: 1944

- Q9. AGHANYA MEANS
- प्रश्न 9. अघन्या मतलब

- A. PRIEST
- B. WOMEN
- C. COW
- D. BRAHMAN

ANSWER: C

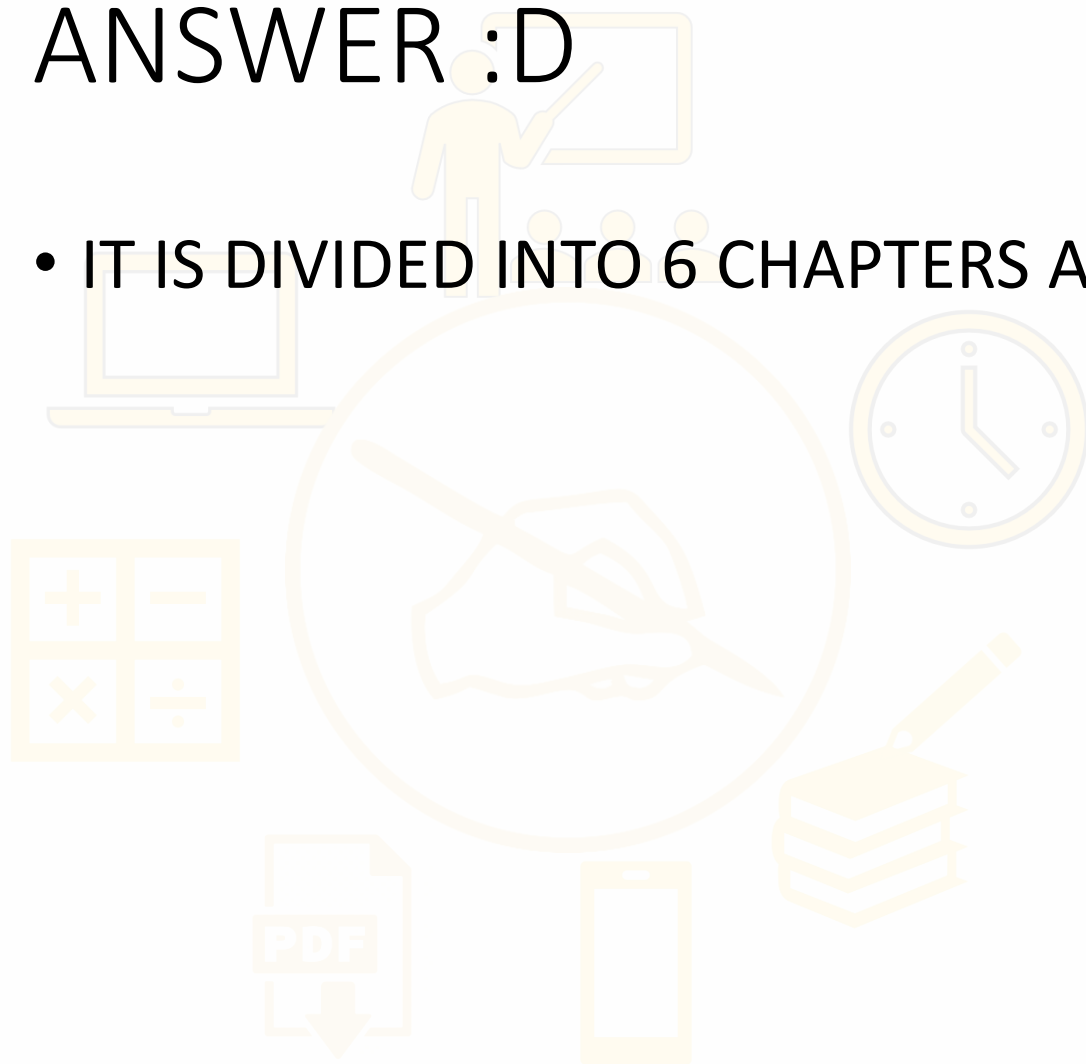
- IT IS MENTIONED IN RIGVEDA
- 10 MANDALAS WITH 10,552 VERSES

- Q10. WHICH ONE IS BOOK OF MUSIC ?
- प्रश्न10. संगीत की पुस्तक कौन सी है ?

- A. RIG VEDA
- B. ATHARVA VEDA
- C. YAJURVEDA
- D. SAMAVEDA

ANSWER :D

- IT IS DIVIDED INTO 6 CHAPTERS AND HAVE 1875 MANTRAS



• Q11. UPANISHADS ARE BOOKS ON

• Q11. उपनिषद् पुस्तकें चालू हैं

A. धर्म

B. योग

C. कानून

D. दर्शन

A. RELIGION

B. YOGA

C. LAW

D. PHILOSOPHY

ANSWER : D

- upanishad means pupils sit near the teacher to learn from him about the secret doctrine its method for explaining its concept is unique
- उपनिषद् का अर्थ है कि शिष्य शिक्षक के पास बैठते हैं, उससे गुप्त सिद्धांत के बारे में सीखते हैं, इसकी अवधारणा को समझाने की इसकी विधि अद्वितीय है

- Q12. NISHKA IN ANCIENT INDIA WAS
- प्रश्न12. प्राचीन भारत में निशका थी

- A. चांदी के गहने
- B. सोने के गहने
- C. तांबे का सिक्का
- D. गाय

- A. SILVER ORNAMENTS
- B. GOLD ORNAMENTS
- C. COPPER COIN
- D. COW

ANSWER : B

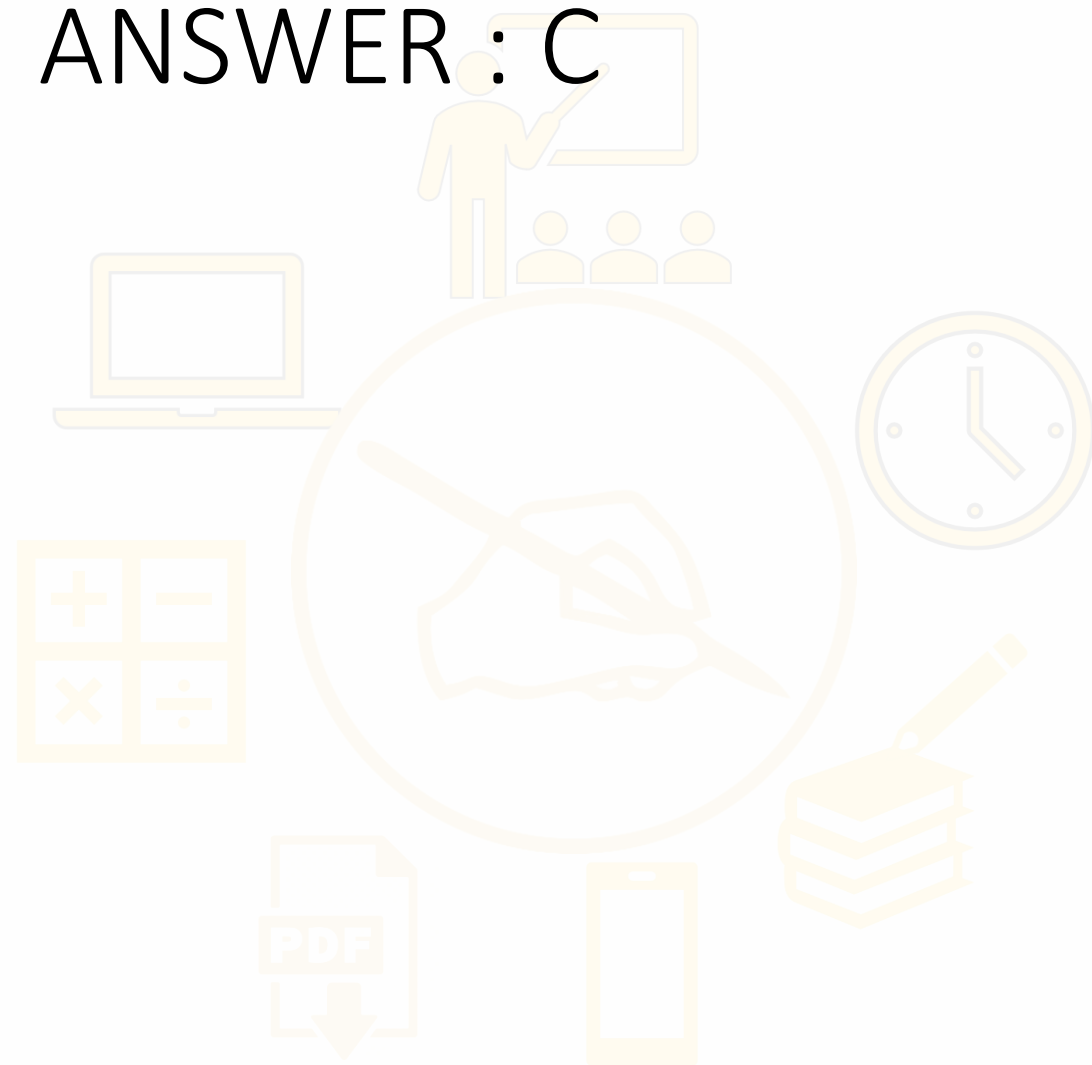
- GOLD ORNAMENTS



- **Q13** The earliest evidence of Banking transactions in India comes from
- **भारत में बैंकिंग लेनदेन का सबसे पहला प्रमाण मिलता है**

- A. GUPTA AGE
- B. ASHOKA AGE
- C. VEDIC AGE
- D. NONE

ANSWER : C



- In the Rigvedic Dasrajan Yudha (Battle of Ten Kings) the Bharatas emerged winner at the bank of ___?
- ऋग्वैदिक दसराजन युद्ध (दस राजाओं की लड़ाई) में भरत के तट पर विजेता बने?

- A. INDUS
- B. SUTLEJ
- C. PARUSHI
- D. NONE

ANSWER : C

- According to Rigveda, the famous battle of ten kings (or Dasrajan Yudha) was between Sudas, a Bharata king of the Tritsu family and the confederacy of ten well-known tribes- Puru, Yadu, Turvasa, Anu, Druhyu, Alina, Paktha, Bhalanas, Shiva and Vishanin. In the bloody and decisive battle on the banks of River Parushni the Bharatas emerged victorious.
- ऋग्वेद के अनुसार, दस राजाओं (या दसराजन युद्ध) की प्रसिद्ध लड़ाई त्रित्सु परिवार के भरत राजा सदास और दस प्रसिद्ध जनजातियों- परु, यदु, तर्वसा, अनु, द्रुह, अलीना, पक्था के संघ के बीच थी। भालान, शिव और विशनिनी परुष्नी नदी के तट पर खूनी और निर्णायक लड़ाई में भरत विजयी हुए।

- Q15.NALANDA UNIVERSITY WAS FOUNDED BY ?
- Q15.नालंदा विश्वविद्यालय किसके द्वारा स्थापित किया गया था?

- A. GUPTA
- B. KUSHAN
- C. PALA
- D. MAURYA

ANSWER : A

- Nalanda was a large Buddhist monastery in the ancient Kingdom of Magadh in India historians often characterized Nalanda as University Nalanda flourished under Gupta Empire and was famous for Buddhist religious philosophy
- नालंदा भारत में मगध के प्राचीन साम्राज्य में एक बड़ा बौद्ध मठ था इतिहासकारों ने अक्सर नालंदा को विश्वविद्यालय के रूप में वर्णित किया नालंदा गुप्त साम्राज्य के तहत विकसित हुआ और बौद्ध धार्मिक दर्शन के लिए प्रसिद्ध था

- Q16. Who among the following was Brahmavadini who composed the some hymns of the Vedas?
- निम्नलिखित में से कौन ब्रह्मवादिनी थी जिसने वेदों के कुछ सूक्तों की रचना की थी?

लोपामुद्रा
गार्गी
सावित्री
कोई नहीं

- A. Lopamudra
- B. Gargi
- C. Savitri
- D. none

Answer : A

- many hymns of rigveda were composed by humans and they were called brahmavadini the prominent among them were Lopamudra ,sikta ,GHOSA Lopamudra was the wife of agastya Rishi
- ऋग्वेद के कई भजन मनुष्यों द्वारा रचित थे और उन्हें ब्रह्मवादिनी कहा जाता था, उनमें से प्रमुख थे लोपामुद्रा, सिक्ता, घोसा लोपामुद्रा अगस्त्य ऋषि की पत्नी थीं

- Q17 From where the word Satyamev Jayate taken
- सत्यमेव जयते शब्द कहाँ से लिया है

- A. Manusmriti
- B. Rigveda
- C. Mudra
- D. Mudrakopanishad

ANSWER : D

- the word Satyamev Jayate is a Sanskrit word the meaning of word is truth alone triumphs it was adopted as the National motto of India on 26 January 1950 it was adopted by the government of India
- सत्यमेव जयते शब्द एक संस्कृत शब्द है, शब्द का अर्थ केवल सत्य की जीत है, इसे 26 जनवरी 1950 को भारत के राष्ट्रीय आदर्श वाक्य के रूप में अपनाया गया था, इसे भारत सरकार द्वारा अपनाया गया था।

• Q18. THE PRIEST OF RIGVEDA WERE

• प्रश्न18. ऋग्वेद के पुजारी थे

होत्रि
ब्रह्मा,
अध्वर्यु
उदगात्री

- A. Hotri
- B. Brahma,
- C. Adhvaryu
- D. Udgatri

ANSWER : A



- **The Rig-Veda Samhita is the grandest book of the Hindus, the oldest and the best. It is the Great Indian Bible, which no Hindu would forget to adore from the core of his heart. Its style, the language and the tone are most beautiful and mysterious. Its immortal Mantras embody the greatest truths of existence, and it is perhaps the greatest treasure in all the scriptural literature of the world. Its priest is called the Hotri. The Yajur-Veda Samhita is mostly in prose and is meant to be used by the Adhvarvu, the Yajur-Vedic priest, for superfluous explanations of the rites in sacrifices, supplementing the Rig-Vedic Mantras. The Sama-Veda Samhita is mostly borrowed from the Rig-Vedic Samhita and is meant to be sung by the Udgatri, the Sama-Vedic priest, in sacrifices. The Atharva-Veda Samhita is meant to be used by the Brahma, the Atharva-Vedic priest, to correct the mispronunciations and wrong performances that may accidentally be committed by the other three priests of the sacrifice.**

- Q19. WHO COMPOSED GAYATRI MANTRA?
- प्रश्न19. गायत्री मंत्र की रचना किसने की?

- A. Brihaspati
- B. Indra
- C. Vishwamitra
- D. Prajapati

ANSWER : C

- Mantra was first written in Sanskrit and required by the Brahmurishi Vishwamitra
- मंत्र सबसे पहले संस्कृत में लिखा गया था और ब्रह्मर्षि विश्वामित्र द्वारा आवश्यक यह ऋग्वेद में लिखा गया है it is written in Rig Veda

- Q20. Who was the most popular God during the early Vedic Aryans ?
- प्रारंभिक वैदिक आर्यों के दौरान सबसे लोकप्रिय भगवान कौन थे?

- A. INDRA
- B. SOMA
- C. RUDRA
- D. VISHNU

ANSWER : A

- MAX NO. OF HYMNS ARE OF INDRA GOD OF WAR /THUNDERSTORM